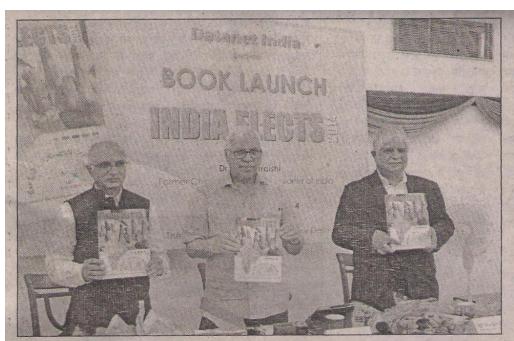
Date	Edition	Publication	Page no.
27 th August 2014	Lucknow	Spasht Awaz	03



इंडिया इलेक्ट्स-१४ पुस्तक का विमोचन हुआ

लखनऊ। 2014 के चुनावी आंकडों पर एक पुस्तक इंडिया इलेक्ट्स-14 का विमाचन किया गया। इस पुस्तक में आंकडे दशाते हैं कि कैसे बीजेपी-एनडीए ने-14 में अपने बोट शेयर को आईएनसी-यूपीए के 2009 के वोट शेयर की तुलना में बढ़ाया। तथा बीजेपी-एनडीए के पक्ष में स्विंग अल्पसंख्यकों के बीच एक नई घटना है। भारत का अग्रणी पोर्टल, जो चनाव सबंधी जानकारियों और विश्लेषण का प्रसार कर रहा है. ने आज कान्स्टीट्यूशन क्लब में अपनी पुस्तक इंडिया इलेक्ट्स-2014, भारत के आम चुनाव- 2009-2014 के नतीजों का तुलनात्मक विश्लेषण, का विमोचन किया। प्रसिद्ध चुनाव विश्लेशक, डॉ प्रणय रॉय, कार्यकारी अध्यक्ष, एनडोटीवी लि. द्वारा इस पुस्तक की प्रस्तावना लिखी गई है और डॉ आर के

ठुकराल, निदेशक, डाटानेट इंडिया प्रा. लि. ने इसकी भूमिका लिखी है। प्रस्तावना में बताया गया है कि भारत के पास दुनिया की सबसे उन्नत इलेक्ट्रोनिक मतदान प्रणाली है, साथ ही यह अफसोस भी जताया गया है कि अभी तक इसके चुनावों पर बहुत कम मौलिक अनुसंधान हुआ है, यही कारण है कि इंडिया इलेक्ट्स-2014 बेहद महत्वपूर्ण है। विस्तृत डाटा से भरपूर यह पुस्तक 7 अप्रैल से 12 मई, 2014 के बीच पूरे भारत में हुए आम चुनावों के नतीजों का विश्लेषण करती है। यह भारत के इतिहास में सबसे लंबे चुनाव और दुनिया में सबसे बड़ा वोटिंग इवेंट था, जिसमें अमेरिका के 193.6 मिलियन और यूके के 45.5 मिलियन मतदाताओं की तुलना में 814 मिलियन मतदाताओं ने भाग लिया। भारत में पहली बार ऐसा हुआ

है कि कांग्रेस से इत्रर किसी दूसरी पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ है। भूमिका में उल्लेख किया गया है कि 30 से अधिक देशों के 140 से अधिक विजिटरों ने पहली बार शानदार चुनाव प्रणाली को देखा जो कई देशों के लिए एक आदर्श चुनाव प्रणाली के रूप में अपनाने लायक है। डाटानेट इंडिया के निदेशक डॉ. आर के ठुकराल ने इसकी कुछ विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इस पुस्तक में मजेदार जानकारियों और तथ्यों को उजागर करने के लिए 205 नक्शों, 235 से अधिक रेखाचित्रों और असंख्य आंकडों की सहायता से 2009 और 2014 के चुनावों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। भारत के मतदाताओं की संख्या अमेरिका और पश्चिमी यूरोप की संयुक्त आबादी से भी अधिक है।